2/11/2022

संधि

संधि का शाब्दिक अर्थ :- योग अथवा मेल। अर्थात दो ध्वनियो या दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते है।

परिभाषा :- जब दो वर्ण पास-पास आते तो उनमें विकार उत्पन्न होता है। यह विकार युक्त मेल ही संधि कहलाता है।

कामताप्रसाद गुरू के अनुसार :- "दो निर्दिष्ट अक्षरो के आस-पास होने के कारण उनके मेल से जो विकार होता है, उसे संधि कहते है।"

संधि विच्छेद :- सन्धि करते समय जिन व्याकरण नियमों का पालन किया जाता है, उन्ही नियमो को ध्यान में रखकर संधि युक्त शब्दो को अलग-अलग करके लिखा जाता है, तो उसे 'सन्धि-विच्छेद' कहते है।

जैसे - विद्यार्थी = विद्या + अर्थी

विद्यालय = विद्या + आलय

3/11/2022

संधि

① दीर्घ संधि :—

विद्या + अध्ययन = आ + अ = विद्याध्ययन
देव + आदेश = अ + आ = देवादेश
कवि + ईश = इ + ई = कवीश
देवी + इष्ट = ई + इ = देवीइष्ट
गुरू + उपकार = उ + उ = गुरूपकार
वधू + उत्सव = ऊ + उ = वधूत्सव

② गुण सन्धि :— (क) 'अ' अथवा 'आ' के आगे 'इ' अथवा 'ई' आने पर 'ए' हो जाता है जैसे —

आ + इ = ए ⇒ महा + इन्द्र = महेन्द्र
अ + ई = ए ⇒ सुर + ईश = सुरेश

(ख) 'अ' अथवा 'आ' के आगे 'उ' या 'ऊ' आने पर 'ओ' हो जाता है जैसे —

अ + उ = ओ ⇒ सूर्य + उदय = सूर्योदय
आ + उ = ओ ⇒ महा + उत्सव = महोत्सव